

इस अंक में...

- 7 सम्पादकीय
- 8 समसामयिकी घटना संग्रह
- 9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 आर्थिक घटना संग्रह

- राज्यों का बजट 2022-23
- EPFO ने 2021-22 के लिए पीएफ जमा पर ब्याज दर घटाकर 8.1% की
- अमरीका ने रूसी बैंकों को स्विफ्ट से बाहर किया
- 6 भारतीय हवाई अड्डों को एसीआई वर्ल्ड के एएसक्यू अवाडर्स 2021 में स्थान

21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- पंजाब को छोड़कर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मणिपुर और गोवा में भाजपा सरकार
- राष्ट्रीय भूमि मुद्रीकरण निगम की स्थापना को मंजूरी
- भारत का पहला डिजिटल वाटर बैंक 'AQVERIUM' बेंगलूरु में लॉन्च
- देश का पहला AI और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी पार्क बेंगलूरु में लॉन्च

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- रूसी युद्धपोत रोकने को तुर्की मॉट्रेक्स कन्वेंशन लागू करने को तैयार
- मानवाधिकार परिषद् में रूस के निंदा प्रस्ताव से भारत अलग
- परमाणु अपशिष्ट के भंडारण का विरोध
- भारत दुनिया में सबसे बड़े हथियार आयातक के रूप में उभरा
- कनाडा ने दुनिया के पहले पौधे से प्राप्त COVID-19 वैक्सीन को मंजूरी दी

29 खेल खिलाड़ी

- अहमदाबाद में प्रधानमंत्री ने 11वें खेल महाकुंभ का उद्घाटन किया
- जर्मन ओपन बैडमिंटन 2022 में लक्ष्य सेन ने जीता रजत पदक
- पंकज आडवाणी ने 8वीं बार जीता एशियाई बिलियर्ड्स खिताब
- सौरभ चौधरी ने ISSF विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल का स्वर्ण जीता

33 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

36 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

- 39 सामयिक लेख—भारत में बेरोजगारी
- 40 विज्ञान लेख—बेहद जरूरी है इंटरनेट का सुरक्षित इस्तेमाल
- 41 प्रौद्योगिकी लेख—मेटावर्स की वर्चुअल दुनिया
- 42 पर्यावरण लेख—कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा पर्यावरणीय चुनौतियाँ
- 43 विज्ञान प्रौद्योगिकी लेख—इंटरनेट की तीसरी पीढ़ी : वेब 3.0 युग
- 44 प्रतिरक्षा लेख—पलक झपकते ही दुश्मन को ध्वस्त करेगी ब्रह्मोस
- 78 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 80 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-142 का परिणाम
- 82 रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

- 46 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल (टियर-1) परीक्षा, 2020
- 54 उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2021
- 65 राजस्थान पटवार सीधी भर्ती परीक्षा, 2021

मॉडल हल

- 74 उत्तराखण्ड पुलिस विभाग के अन्तर्गत आरक्षी संवर्ग के जनपदीय पुलिस, पीएसी/आईआरबी तथा फायरमैन पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2022 हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक : राहुल जैन

रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

— सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005

फोन-2531101, 2530966

— दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली - 110 002

फोन-011-23251844, 43259035

— पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना - 800 004

मो-09334137572

— हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), हैदराबाद - 500 036 (तेलंगाना)

मो-09391487283

— हल्दानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, हल्दानी, जिला-नैनीताल - 263 139 (उत्तराखण्ड)

मो-07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुंचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.



घातक हो सकता है : क्रोध करना

“If you are patient in one moment of anger, you will escape a hundred days sorrow.”

—Chines Proverb

क्रोध, असहिष्णुता की हिंसक अभिव्यक्ति है। संतों ने इसे राक्षसी वृत्ति बताया है, जो धर्म विरुद्ध आचरण करता है। आपस्तम्ब धर्मसूत्र 10/4-5 में कहा गया है कि तीक्ष्ण विष वाला साँप और तेजधार वाली तलवार भी किसी व्यक्ति के लिए उतनी घातक नहीं होती, जितनी कि अपने शरीर के भीतर करने वाला क्रोध उसके लिए विनाशकारी है। क्रोध विस्फोटक स्वभाव का होने के कारण सर्वनाशी और रक्त पिपासु दानव के समान है। अतः हमें इससे केवल बचना ही नहीं चाहिए, अपितु इसे समूल नष्ट कर देना चाहिए।

जैन धर्म के उत्तराध्ययन सूत्र में क्रोध के सम्बन्ध में कहा गया है—“अपने आप पर भी क्रोध न करो। दूसरों पर क्रोध करना, तो स्वयं पर क्रोध करने से भी अधिक हानिप्रद है। क्रोध में मनुष्य सत्य, शील और विनय का नाश कर डालता है। कुरान शरीफ में कहा गया है—“स्वर्ग उन लोगों के लिए है, जो अपने क्रोध को वश में रखते हैं।”

क्रोध के सम्बन्ध में भगवान बुद्ध ने कहा है कि—“जिस प्रकार खौलते हुए पानी में अपना प्रतिबिम्ब नहीं दिखता है, उसी प्रकार क्रोधोन्मत्त व्यक्ति को, किसमें उसका हित है, समझ में नहीं आता है।” इसका कारण यह है कि क्रोध मनुष्य को उन्मत्त करके किसी भी बात को सुनने नहीं देता है। गीता के अनुसार—जो मनुष्य इस शरीर में शरीर का नाश होने से पहले-पहले ही काम और क्रोध से उत्पन्न होने वाले वेग को सहन करने में समर्थ हो जाता है, वही पुरुष सुखी है।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक पाइथागोरस ने एक बार कहा था—“क्रोध पक्षाघात की भाँति शक्तिहीन कर देता है।”

कवि बाणभट्ट ने क्रोध के सम्बन्ध में कहा है—“अति क्रोधी मनुष्य आँख वाला होते हुए भी अंधा ही होता है।”

वाल्मीकि ऋषि ने रामायण में कहा है कि “क्रोध, प्राणों को लेने वाला शत्रु है और सर्वनाश की ओर जाने वाली राह है।”

सामान्यतः हर आदमी स्वभाव से क्रोधी नहीं होता है। वह परिस्थितियों विशेष के वशीभूत होकर क्रोधी बनता है। क्रोध प्रायः निम्नलिखित कारणों से आता है—

- इच्छापूर्ति में बाधा।
- इच्छा के विरुद्ध घटित होना।
- मनचाहा कार्य न होना।
- सफलता न मिलना।
- तनाव, शरीर स्वस्थ न होना।
- बेरोजगारी, गरीबी, हीनभावना।
- पारिवारिक कारण।
- सात्विक भोजन का अभाव।